NEW

2018

M.A.

1st Semester Examination

HINDI

PAPER—HIN-102

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

Answer *all* questions.

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×2

(क) विदयापति का पूरा नाम क्या है ? उनकी पदावली की भाषा क्या है ?

(ख) 'कबीर' शब्द का अर्थ क्या है ? कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा ?

(ग) 'आयो घोष बडो ब्योपारी' – यह किनकी पंक्ति है ? 'घोष' का अर्थ क्या है ?

(घ) 'रामचरितमानस' में कुल कितने कांड है ? किन प्रमुख छंदों में इसकी रचना हुई है ?

(ङ) मीरा के आराध्य देव कौन थे ? उनके गुरू का नाम क्या था ?

(च) घनानंद किनके दरबार में किस पद पर नियुक्त थे ?

(छ) 'पंडित बाद बदंते झूठा।' इस पद की दूसरी पंक्ति लिखिए।

(ज) 'विद्यापति पदावली' के बसंत से संबंधित कौन-से दो पद आपके पाठ्यक्रम में शामिल हैं ? प्रत्येक पद की प्रथम पंक्ति लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के यथा निर्देश उत्तर लिखिए : 4×4

(क) बड़ सुख सार पाओल तुअ तीरे।

छोड़इत निकट नयन बह नीरे।

करजोरि बिलमओ बिमल तरंगे।

पुनि दरसन होए पुनमति गंगे।

– प्रस्तुत अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(ख) विद्यापति के काव्य में वर्णित शृंगार भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) कबीर के काव्य में अभिव्यक्त रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'उत्तरकाण्ड' के आधार पर तुलसी के राम राज्य पर संक्षेप विचार कीजिए।

(ङ) सूर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

(च) झगड़ा एक नबेरो राम, जे तुम्ह अपनैं जन सूं काम।

ब्रव्या बड़ा कि जिनि रू उपाया, बेद बड़ा कि जहाँ धैं आया।

यहु मन बड़ा कि जहाँ मन मानैं, राम बड़ा कि रामहिं जानें।

कहै कबीर हँ खरा उदास, तीरथ बड़ा कि हरि के दास।

– प्रस्तुत अवतरण का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(छ) अखियाँ हरि-दरसन की भूखी।

कैसे रहैं रूप रस राची ये बतियाँ सुनी रूखी।

अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहीं भूखी।

अब इन जोग-संदेसन ऊधो अति अकुलानी दुखी।

– प्रस्तुत अवतरण की विशेषताए बताइए।

(ज) हीन भएं जल मीन अधीन, क हा कहु मो अकुलानि-समानै।

नीर-सनेही कों लाय कलंक, निरास हवै कायर त्यागत प्रानै।

प्रीति की रीति सु क्यौं समुझै जड़, मीत के पानि कों प्रमानै।

या तन की जु दसा धनआनंद जीव की जीवनि जान ही जानै।

– प्रस्तुत अवतरण का शिल्प-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8×2

(क) 'रामचरित्मानस' के आधार पर तुलसी की समन्वय-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) विद्यापति की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

(ग) मीरा की विरह-भावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) घनानंद की काव्यगत विशेषताओं का उद्घाटन कीजिए।

———